	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
5/26	पत्रा० पेश हुई। वकु० उभय मूल वाद में P.D. जारी करने बावत सहमति प्रदान की। वकु० पक्षकारान के अधिवक्ता की बहस सुनी गई। वादी अधिवक्ता ने उभयपक्षकारान को मूल वाद के अंतिम निस्तारण तक पाबंद करने का निवेदन किया गया। बहस पर मनन एवं पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि दावा 53 का है। एवं उभयपक्ष अधिवक्ता द्वारा P.D. जारी किये जाने बावत सहमति भी प्रदान की जा चुकी है। ऐसे में मूल वाद के अंतिम निस्तारण तक उभयपक्षकारान को विवादित आराजीयात पर मौका व राजस्व रिकॉर्ड की स्थिति यथावत रखने बावत पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः पाबंद किया जाता है। एवं पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। एवं मूल वाद के साथ संलग्न की जावे।	